KABIR SAKHI

Class 10 - हिंदी ब

निर्धारित समय: 1 hour **अधिकतम अंक: 45**

1. अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए कबीर ने क्या उपाय सुझाया है? **[3]**
2. मीठी वाणी/बोली संबंधी व ईश्वर प्रेम संबंधी दोहों का संकलन कर चार्ट पर लिखकर भित्ति पत्रिका पर लगाइए। **[3]**
3. "कबीर का कवित्व आज के संदर्भ में भी प्रासंगिक हैं।" इस विषय पर प्रकाश डालिए। **[3]**
4. अपने अंदर का दीपक दिखाई देने पर कौन-सा अँधियारा कैसे मिट जाता है? कबीर की साखी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। **[3]**
5. **निम्नलिखित पदों के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** **[4]**

सुखिया सब संसार है खाए अरु सोवै।
दुखिया दास कबीर है जागे अरु रोवै।।
निंदक नेड़ा राखिये, आँगणि कुटी बँधाइ।
बिन साबण पाँणीं बिना, निरमल करै सुभाइ॥
पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ।
एकै अषिर पीव का, पढ़ै सु पंडित होइ॥

I. निंदक क्या करता है?
   i. हमारी निंदा करता है
   ii. हमारा स्वभाव निर्मल करता है
   iii. हमारी प्रशंसा करता है
   iv. हमें विद्वान बनाता है

II. पंडित कौन नहीं होता है?
   i. प्रेम को जानने वाला
   ii. प्रेम करने वाला
   iii. पोथी पढ़ने वाला
   iv. जो पंडित हो

III. संसार में सुखी कौन नहीं है?
   i. जो सारी चिंताओं से मुक्त हो
   ii. जो भक्ति करता हो
   iii. जो पोथी पढ़ता हो
   iv. कबीर

IV. निंदक का क्या अर्थ होता है?
   i. निंदा करने वाला
   ii. पागल
   iii. प्रशंसा करने वाला
   iv. ईश्वर

6. **निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनिए-** **[4]**

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहिं।

60

सब अँधियारा मिटि गया, जब देख्या दीपक माँहि।।

I. कवि ने किस अंधकार के मिटने की बात कही है?

i. ज्ञान के
ii. विज्ञान के
iii. अविज्ञान के
iv. अज्ञान के

II. ज्ञान का दीपक जलने से क्या होता है ?

i. रोशनी आती है
ii. ईश्वर की प्राप्ति होती है
iii. अंधेरा समाप्त हो जाता है
iv. ज्ञान जल जाता है

III. सच्चे ज्ञानी की क्या विशेषता है ?

i. बहुत ज्ञान होना
ii. बहुत पुस्तकें पढ़ना
iii. हमेशा पढ़ते रहना
iv. ईश्वर से प्रेम करना

IV. अंधकार का नाश कैसे होता है?

i. भक्ति से
ii. शक्ति से
iii. दीपक से
iv. अहंकार हटाने से

7. **निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनिए-** **[4]**

कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढ़ै बन माँहि।
ऐसैं घट-घट राँम है, दुनियाँ देखै नाँहि।।

I. मृग कस्तूरी को वन में क्यों ढूँढ़ता फिरता है?

i. कस्तूरी की असुगन्ध से उन्मत्त होकर
ii. कस्तूरी से निकलने वाली बदबू से उन्मत्त होकर
iii. कस्तूरी की सुगन्ध से उन्मत्त होकर
iv. इसमें से कोई नहीं

II. मृग किसका प्रतीक है?

i. ज्ञानी जीव
ii. विज्ञानी जीव
iii. अज्ञानी जीव
iv. अविज्ञानी जीव

III. **कस्तूरी** मृग के शरीर के किस भाग में स्थित रहती है?

i. पेट में
ii. गले में
iii. सिर में
iv. नाभि में

IV. **कस्तूरी कुंडलीबसै** में अलंकार है-

i. अनुप्रास

ii. यमक

iii. श्लेष

iv. उपमा

8. **निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनिए-** **[4]**

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि
सब अँधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या माँहि।
सुखिया सब संसार है, खावै अरु सोवै।
दुखिया दास कबीर है, जागै अरु रोवै।।

I. 'जब मैं था तब हरि नहीं' से कवि का क्या आशय है?

i. जब हरि नहीं थे तब मैं नहीं था

ii. जब मैं था तब हरि मुझे नहीं मिले

iii. जब मेरे मन में अहंकार था तब मुझे हरि के दर्शन नहीं हुए

iv. मैं था किन्तु हरि नहीं थे

II. अहंकार समाप्त हो जाने पर कवि का जीवन कैसा हो गया?

i. उन्हें ईश्वर की सर्वव्यापकता का ज्ञान हो गया और उनको हरि की प्राप्ति हो गई

ii. उनका जीवन धन-दौलत से भरपूर हो गया

iii. उनका जीवन एक साधु की तरह हो गया ।

iv. उनका जीवन निष्कलंक हो गया

III. कवि ने यहाँ किस दीपक की बात की है?

i. प्रकाश फैलाने वाला दीपक

ii. शुद्ध घी से जलने वाला दीपक

iii. आत्मज्ञान रूपी दीपक

iv. सूर्य का प्रकाश

IV. सारा संसार कबीर की दृष्टि में सुखी क्यों है?

i. क्योंकि उनको कोई चिंता नहीं है

ii. क्योंकि वे भोग-विलास में लिप्त हैं

iii. क्योंकि उनके लिए भोग-विलास ही सुख है

iv. उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

V. कबीर क्यों जागते और रोते हैं?

i. कबीर को नींद नहीं आती और उन्हें धन की चाह

ii. कबीर को समाज की चिंता है। वे समाज को देखकर रोते हैं

iii. कबीर सबको सुखी देखकर रोते हैं

iv. कबीर को उनका भविष्य ज्ञात है, इसलिए वे रोते

9. कबीर के अनुसार निंदक हमारा _____ है I **[1]**

क) हितैषी　　ख) विरोधी

ग) प्रतिस्पर्धी　　घ) शत्रु

10. मृग कस्तूरी को ढूँढ़ नहीं पाता है क्योंकि, _____ । **[1]**

क) वह कस्तूरी को पाने का पूरा प्रयास नहीं करता है　　ख) वह कस्तूरी की खुशबू से भ्रमित हो जाता है

ग) उसकी आँखों पर पट्टी बंधी हुई है　　घ) वह कस्तूरी के वास्तविक स्थान से अनभिज्ञ है

प्रश्न संख्या 11 से 14 दिए गए अनुच्छेद पर आधारित हैं। अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **[4]**

60

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहिं।
सब अँधियारा मिटि गया, जब देख्या दीपक माँहि।।

11. ज्ञान का दीपक जलने से क्या होता है?

क) ज्ञान जल जाता है
ख) रोशनी आती है
ग) अंधेरा समाप्त हो जाता है
घ) ईश्वर की प्राप्ति होती है

12. सच्चे ज्ञानी की क्या विशेषता है?

क) बहुत ज्ञान होना
ख) हमेशा पढ़ते रहना
ग) बहुत पुस्तकें पढ़ना
घ) ईश्वर से प्रेम करना

13. अंधकार का नाश कैसे होता है?

क) भक्ति से
ख) दीपक से
ग) अहंकार हटाने से
घ) शक्ति से

14. कवि ने किस अंधकार के मिटने की बात कही है?

क) विज्ञान के
ख) अविज्ञान के
ग) अज्ञान के
घ) ज्ञान के

प्रश्न संख्या 15 से 19 दिए गए अनुच्छेद पर आधारित हैं। अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **[5]**

पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ।
ऐकै अषिर पीव का, पढ़ै सु पंडित होइ।।

15. पद्यांश के अनुसार, इस संसार में लोग क्या करते हुए मर गए?

क) पूजा-पाठ करते हुए
ख) अनुष्ठान करते हुए
ग) धार्मिक पुस्तकें पढ़-पढ़कर
घ) कर्मकांड करते हुए

16. पद्यांश के अनुसार पंडित कौन है?

क) जिसने स्वयं की पहचान कर ली
ख) जो कठोर तप करता है
ग) इनमें से कोई नहीं
घ) जिसने परमात्मा का एक अक्षर भी पढ़ लिया

17. **पीव** से क्या तात्पर्य है?

क) जीवन के दुःखो से
ख) परमात्मा से
ग) गुरु से
घ) अज्ञानता से

18. पद्यांश के अनुसार, सच्चा ज्ञानी कैसे बना जा सकता है?

क) संतों का संग करने से
ख) बड़ी-बड़ी पुस्तकें पढ़ने से
ग) परमात्मा का नाम स्मरण करने से
घ) गुरु का स्मरण करने से

19. कबीर के अनुसार मनुष्य पंडित कब बन सकता है?

क) हवन करने के बाद
ख) शास्त्र ज्ञान प्राप्त करने के बाद
ग) संपन्न होने के बाद
घ) ईश्वर से प्रेम करने पर ज्ञान चक्षु खुलने के बाद

प्रश्न संख्या 20 से 25 दिए गए अनुच्छेद पर आधारित हैं। अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **[6]**

घूमने-फिरने का शौक मुझे बचपन से है। मेरे पिताजी की भी यही आदत थी। पर मुझमें ओर उनमें थोड़ा-सा अन्तर है। वे जब भी घूमने-फिरने जाते घर के प्रत्येक सदस्य के लिए कोई-न-कोई उपहार की वस्तु आ जाती, जो हमें उनकी याद दिलाती रहे। पर मैं अक्सर ऐसी चीजें लाता हूँ, जो स्थूल नहीं होतीं। भला स्मृतियों से बड़ा कोई खजाना हो सकता है क्या?

हाँ तो बात घूमने-फिरने की हो रही थी। मैं अब तक भारत के एक बड़े हिस्से को अपने पैरों तले नाप चुका हूँ। कुछ तो दुर्गम पहाड़ी स्थल हैं, जहाँ शायद ही कोई जाने की हिम्मत करे। आगरा, बनारस, जयपुर, हैदराबाद, अहमदाबाद और कश्मीर तो बहुतों ने देखा होगा। वे गए होंगे और ताजमहल, विश्वनाथ मंदिर, हवामहल, चारमीनार, साबरमती आश्रम और डलझील देखकर उलट पड़े होंगे। मैं ऐसा नहीं करता हूँ। मेरी रुचि गाँवों में है और मैं उससे परिचित भी हूँ। भोर होते ही उठकर खेतों की जुताई करने जाते किसानों को मैंने देखा है, उनके गीत सुने हैं। मैंने पूस की थरथराती सर्दी में अलाव जलाकर खेतों की रखवाली करते किसानों के साथ रातें भी काटी हैं। मैं जब-जब अपनी यात्राओं में फिरता हूँ, तो अनुभवों की एक श्रृंखला मेरे साथ होती है।

यूँ ही एक घटना याद आ गई। हम लोग इलाहाबाद के पास जिगाना गाँव गए थे। हम लोग यानी मैं, मेरा मित्र श्रीधरन और मेरे अधिकारी श्री मनोहर दास। इलाहाबाद से जिगाना तक हम साथ गए, मुझे वहीं रहना था, जबकि शेष दोनों को अलग-अलग दिशाओं में बिखर जाना था। तय हुआ कि काम होने पर हम लोग वापस दो दिन बाद इलाहाबाद में ही 'प्रयाग' होटल में मिलेंगे। यही हमारा हमेशा का निवास स्थल था। व्यवसाय से कृषि उत्पादकों के विक्रय प्रतिनिधिहम तीनों इस बार अपनी बिक्री यात्रा पर आए थे। मैं जैसा सोचकर गया था दो दिनों में काम सिमटाकर लौट आया। आकर पाया कि श्रीधरन् पिछली रात ही आ गया था। मनोहर दास जी को अभी आना था। अब वक्त हमारे हाथ में था और साथ था श्रीधरन-पहले दर्जे का बातूनी और हँसमुख। हमने तय किया कि फलों का रस पिया जाए और निकल पड़े चौक की तरफ। 'मेरे लिए एक गिलास अनन्नास का रस' और- 'मेरे लिए भी यही' - श्रीधरन ने मेरे मुँह से बात छीन ली- "पर सुनो, मैं ठण्डा नहीं लूँगा बिना बर्फ का लाना" श्रीधरन बोला- 'जी अच्छा' कहकर वह लड़का चला गया।

"यह रस तो बहुल गर्म है भाई, ऐसा करो थोड़ी बर्फ लाकर इसमें डालो।" श्रीधरन बोला, लड़का बर्फ ले आया और गिलास में मिला दी।

'हाँ मजा तो आया' श्रीधरन कश खींचता हुआ बोला- "पर अब यह रस का गिलास दो रुपए का हो गया है न।"

"नहीं-नहीं बाबूजी! बिना बर्फ का रस का गिलास तीन रुपए का होता है और बर्फ बाला दो रुपए का।"

"ठीक है, लेकिन इसमें बर्फ डली है न। अभी तुमने ही तो लाकर डाली है। फिर यह तो दो रुपए का ही हुआ न।"

यह कहकर हम दोनों जोर से हँस पड़े। लड़का दूसरे ग्राहकों में लग गया। वह काम में लगा तो था पर उसका मन भटक रहा था। जब तक उसे दोनों गिलासों के पैसे नहीं मिल गए उसकी जान अटकी रही। कहीं ऐसा न हो कि ये ग्राहक दोनों गिलासों के दो रुपए के हिसाब से ही पैसे दें। धन्यवाद ईश्वर का कि श्रीधरन को और मजाक न सूझा वरना वह शायद ऐसा ही करता।

20. **पैरों तले नाप चुका हूँ**- गद्यांश के संदर्भ में इस वाक्यांश का क्या अर्थ है?

क) मैं जहाँ-जहाँ भी गया हूँ पैदल ही गया हूँ

ख) श्रीधरन जैसे न जाने कितने मेरे पैरौ तले रौंदे जा चुके हैं

ग) मुझे पैदल यात्रा में बड़ा आनन्द मिलता है

घ) मैं भारत के कई हिस्सों में गया हूँ

21. गद्यांश के आधार पर लेखक के बारे में कौनसा कथन सत्य है?

क) लेखक का बचपन पहाड़ी स्थलों में बीता है

ख) वह आगरा और बनारस शहरों से अच्छी तरह परिचित है

ग) मनोहरदास से उसका परिचय इलाहाबाद में हुआ था

घ) अपनी नौकरी के कारण उसे ज्यादातर किसानों के सम्पर्क में रहना पड़ता है

22. लेखक की जिगाना यात्रा का क्या उद्देश्य था?

क) वह स्वभाव के अनुसार घूमने फिरने गया था

ख) वह अपनी कम्पनी के उत्पादों की बिक्री करने गया था

ग) उसके अधिकारी ने उसे वहाँ बुलाया था

घ) वह अपने मित्र श्रीधरन से मिलने गया था

23. गद्यांश के अनुसार श्रीधरन-

क) अन्य दो मित्रों से पहले प्रयाग होटल वापस आ गया

ख) लेखक से फलों की दुकान पर मिल गया था

था

ग) जिगाना में नौकरी करता था

घ) इलाहाबाद का रहने वाला था

24. श्रीधरन फलों के रस की दुकान पर कैसे जा पहुँचा?

क) लेखक ने उसे वहाँ मिलने के लिए बुलाया था

ख) उस दुकान का मालिक श्रीधरन का ग्राहक था

ग) वह लेखक के साथ उस दुकान पर रस पीने गया था

घ) मनोहरदास ने उन दोनों से वहीं मिलने का वायदा किया था

25. **वह शायद ऐसा ही करता-** गद्यांश के संदर्भ में इस कथन का क्या अभिप्राय है?

क) यदि श्रीधरन चाहता, तो जिगाना में कई दिन बना रहता

ख) वह यदि चाहता, तो अपने रस के गिलास के दो ही रुपए देता

ग) श्रीधरन दुकानदारों का बहुत उपहास करता है

घ) वह अक्सर दुकानदार को पैसा देना भूल जाता है

60